

AF-120

April-2016

B.A., Sem.-VI

CC-315 : Hindi

EA : रचनात्मक लेखन और अनुवाद

Time : 3 Hours]

[Max. Marks : 100

1. भाव एवं विचार की रचनात्मक लेखन में रूपांतरण की प्रक्रिया समझाइए। 14

अथवा

‘जनभाषा और लोकप्रिय संस्कृति के औचित्यपूर्ण निर्वाह से रचना लोकभोग्य बनती है।’ समझाइए।

2. काव्य-लेखन में संवेदना, भाषा, छंद, लय, गति और तुक की भूमिका स्पष्ट कीजिए। 14

अथवा

कथालेखन में वस्तु, पात्र, परिवेश और विमर्श की भूमिका स्पष्ट कीजिए।

3. टिप्पणी लिखिए : 14

- (अ) अनुवाद का स्वरूप

अथवा

अनुवाद का महत्व

- (आ) अनुवाद की समस्याएँ

अथवा

अच्छे अनुवादक के गुण

4. निम्नलिखित गुजराती एवं अंग्रेजी परिच्छेदों में से सिर्फ किसी एक का ही हिन्दी में अनुवाद कीजिए। 14

‘अमरतकड़ीने पोताने पड़ा ऐना वगर पथारी सूनी सूनी लागती हती। भनमां थयुं मारा भेंगी सूवा टेवाई गयेली ऐने उंध आवी हशे ? ए साथे ऐनी आंभो बावरी बनी पोताने शोधती होय तेम अमने देखायुं। अमने ईस उपर कपाण झूट्यु - हुं भा थઈने ऐने दवाखाने हडसेलीने आवती रही ? अमनाथी दूसरुं भराई गयुं। बहारना खंडमां सूतेलां दीकराने पड़ा उंध आवी न हती।’

‘He has barely attended school, but five scholars have based their PhD research on this writer and poet from western Odisha. Who received the Padma Shri from the President on Monday. Haldhar Nag the 66 years old poet in Koshi language remembers all the poems and 20 epics that he has penned.

अथवा

‘એ જ વખતે પાસેના ઓરડામાં ટેબલ પરથી ગલાસ ફસડાઈ જમીન પર પડ્યો તેના ચૂરેચૂરા થયા તેનો અવાજ પણ મેં સાંભળ્યો - પણ જાણો એની કાંઈ પરવાહ જ ન હોય તે રીતે અંદરની વ્યક્તિએ તો બારણું ઉધાડી અમારી તરફ જોયા કર્યું, એની આંખોમાં નશો હતો. એ બરાબર ઊભો રહી સકતો એ નહોતો પણ એની નશાભરી આંખો મારા પાકીટ પરની નોટો પર ચોંટી રહી, એનો વિચાર મને આવ્યોને ચાલ્યો ય ગયો.’

Now Nag attends at least three to four programmes every day to recite his poems. “Said a close associate of the poet. Nag told TOI, “It’s great to see the huge interest of young people in poems in Kosli. Everyone is a poet, but only a few have the art of giving them shape.” Nag has never worn any footwear and always dons a white dhoti and a vest. “I feel free in this attire”, he said.

5. સૂચનાનુસાર કીજિએ :

14

(અ) નિર્મલિખિત કહાવતો ઔર મુહાવરોં કે હિન્દી રૂપ લિખિએ :

- (1) ખાલી ચણો વાગે ઘણો
- (2) તાગડ ધિના કરવા
- (3) રંડયા પછીનું ડહાપણ શા કામનું
- (4) દાઝયા ઉપર ડામ દેવો

(આ) યોગ્ય વિકલ્પ ચુનકર રિક્ત સ્થાનોં કી પૂર્તિ કીજિએ :

- (1) નિબંધ લેખન મેં _____ કા મહત્વ હૈ । (કલ્પના, બિમ્બ, વિચાર, પ્રતીક)
- (2) લોકપ્રિય સંસ્કૃતિ કા માનક રૂપ _____ હૈ । (ફિલ્મ સંગીત, શાસ્ત્રીય સંગીત, શાસ્ત્રીય નૃત્ય, ગીત)
- (3) યદિ ગદ્ય કવિયોં કી કસૌટી હૈ, તો નિબંધ _____ કી કસૌટી હૈ । (ઉપન્યાસ, નાટક, ગદ્ય, પદ્ય)
- (4) નાટ્ય લેખન કે લિએ સર્વાધિક આવશ્યક હૈ _____ કા જ્ઞાન । (રંગમંચ, ભાષા, પરિવેશ, પ્રકાશ યોજના)
- (5) _____ વ્યાંગ્ય લેખન કા મૂલાધાર હૈ । (ભાષાજ્ઞાન, વિચાર, સંગતિ, વિસંગતિ)

(ઇ) નિર્મન વિધાન લિખકર સહી-ગલત કે નિશાન લગાડાએ :

- (1) મૂળનિષ્ઠતા અનુવાદ કા મુખ્ય ગુણ માના જાતા હૈ ।
- (2) જિસ ભાષા મેં અનુવાદ કિયા જાતા હૈ, ઉસે સ્નોત ભાષા કહતે હોય ।
- (3) કવિતા કા અનુવાદ કરના સબસે જટિલ કાર્ય હૈ ।
- (4) પત્રકારિતા કથાત્મક સાહિત્ય કા હી એક પ્રકાર હૈ ।
- (5) વિજ્ઞાપન સંચારમાધ્યમોં કા પ્રાણ બન ગયા હૈ ।

Seat No. : _____

AF-120

April-2016

B.A., Sem.-VI

CC-315 : Hindi

EB-प्रादेशिक भाषा-साहित्य गुजराती

Time : 3 Hours]

[Max. Marks : 100

सूचना : (1) प्रत्येक प्रश्न के दाहिनी ओर अंक हैं ।

(2) प्रत्येक नया प्रश्न नये पृष्ठ पर आरंभ करें ।

(3) वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर वाक्य में लिखिए ।

1. गुजराती भाषा के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए । 14

अथवा

गुजराती भाषा के प्रथम रचनाकार आद्य कवि नरसिंह महेता का विस्तृत परिचय दीजिए ।

2. गुजराती साहित्य के आधुनिक काल के उपविभाजन की युक्तियुक्त चर्चा कीजिए । 14

अथवा

प्राचीन गुजराती साहित्य की प्रवृत्तियों का उद्घाटन कीजिए ।

3. आधुनिक गुजराती साहित्य में नर्मद के प्रदान की चर्चा कीजिए । 14

अथवा

आधुनिक गुजराती साहित्य में रघुवीर चौधरी का स्थान स्पष्ट कीजिए ।

4. संक्षेप में लिखिए :

14

(1) छंदोलय अथवा सुदामाचरित

(2) विदिशा अथवा आंधली गली

5. सूचनानुसार कीजिए :

14

(क) निम्नलिखित विधान सही (✓) है या गलत (✗) बताइए :

7

- (1) आचार्य केशव हर्षद ध्रुव ने गुजराती भाषा के विकास को तीन खंडों में विभाजित किया है ।
- (2) मीराबाई का समय नरसिंह-पूर्व युग का है ।
- (3) गुजराती कवि दयाराम ने ब्रजभाषा में सतसई रची थी ।
- (4) गोवर्धनराम त्रिपाठी की जन्मभूमि सूरत को साक्षरनगरी कहा जाता है ।
- (5) उमाशंकर जोशी ने ‘संस्कृति’ नामक पत्रिका निकाली थी ।
- (6) ‘सरस्वतीचंद्र’ में पूर्व और पश्चिम की संस्कृति का समन्वय है ।
- (7) ‘निशीथ’ उमाशंकर जोशी की रचना नहीं है ।

(ख) सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए :

7

- (1) भक्त कवि अखा व्यवसाय से _____ थे ।
(बुनकर, लोहार, सुनार)
 - (2) _____ ग्रंथ की शोभायात्रा साहित्य के इतिहास की विरल घटना है ।
(‘सिद्धहेम’, ‘संदेश रासक’, ‘रणमल छंद’)
 - (3) मीराबाई ने _____ में जीव गोस्वामी से भेट की ।
(गोकुल, वृंदावन, मथुरा)
 - (4) गुजराती साहित्य में सुरेश जोशी _____ रचनाकार के रूप में जाने जाते हैं ।
(परंपरावादी, प्रगतिवादी, आधुनिकतावादी)
 - (5) पन्नालाल पटेल को _____ पर भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला था ।
(मानवीनी भवाई, मळेला जीव, पाढळा बारणे)
 - (6) ‘व्यथाना वीतक’ _____ विमर्श की उत्तम कृति है ।
(दलित, बनवासी, स्त्री)
 - (7) ‘ऊहापोह’ पत्रिका के संपादक _____ थे ।
(दलपतराम, झवेरचंद मेघाणी, सुरेश जोशी)
-